



सत्यमेव जयते

केंद्रीय कर आयुक्त (अपील)

O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL TAX,
केंद्रीय उत्पाद शुल्क भवन,
सातवीं मंजिल, पॉलिटेक्निक के पास,
आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015



7th Floor, Central Excise Building,
Near Polytechnic,
Ambavadi, Ahmedabad-
380015

☎ : 079-26305065

टेलिफैक्स : 079 - 26305136

क फाइल संख्या : File No : **V2(39)100/AHD-III/2016-17/Appeal**

ख अपील आदेश संख्या : Order-In-Appeal No.: **AHM-EXCUS-003-APP-067-17-18**

दिनांक Date : **27.07.2017** जारी करने की तारीख Date of Issue:

श्री उमाशंकर आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

14843

Passed by **Shri Uma Shanker** Commissioner (Appeals) Ahmedabad

ग _____ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अहमदाबाद-III आयुक्तालय द्वारा जारी
मूल आदेश सं _____ दिनांक : 16/8/17 से सृजित

Arising out of Order-in-Original: **V/18-857,891,930 & 931/Ref/S.Tax/2016/1031**, Date: **14.09.2016** Issued by: Deputy Commissioner, Central Excise, Din:Gandhinagar, G'nagar-III.

घ अपीलकर्ता एवं प्रतिवादी का नाम एवं पता

Name & Address of the **Appellant** & Respondent

M/s. Accumax Lab Technology

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अंतर्गत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अवर सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

- (ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।
- (C) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

ध अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35- षोबी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैन्टल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियों सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any

nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढ़ी कार्य से बचने के लिए यथार्थिती अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs. 100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथार्थिती निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्तेत) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1984 की धारा 34फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-2) अधिनियम 2014(2014 की संख्या 24) दिनांक: 06.08.2014 जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 23 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है. बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत " माँग किए गए शुल्क " में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- (ii) सेनवैट जमा की ली गई गलत राशि
- (iii) सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

→ आगे बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores, Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

→ Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(6)(i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क का दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

(6)(i) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

ORDER-IN-APPEAL

M/s Accumex Lab Technology, Plot No.16, GIDC Electronic Park SEZ, Sector-26, Gandhinagar (henceforth, "appellant") has filed the present appeal against letters dated 10.10.2016, 14.9.2016, 1.12.2016 of the Assistant Commissioner of Central Excise, Gandhinagar Division, Gandhinagar (henceforth, *Jurisdictional Assistant Commissioner*) with regard to refund claims filed by the appellant under rule 5 of the Cenvat Credit Rules, 2004 (henceforth, *Cenvat Rules*) for Rs.6,69,415/- for the period Jul 2015 to Jun 2016.

2. Briefly stated, facts of the case are that the appellant, having a unit in SEZ and engaged in the manufacture and export of Laboratory equipments and consumables thereof, applied to the Jurisdictional Assistant Commissioner for refund of unutilized Cenvat credit in terms of rule 5 of the Cenvat Rules. The Jurisdictional Assistant Commissioner, vide letter dated 10.2.2016, informed the appellant that since appellant was not registered under Central Excise Act, refund claim cannot be processed. The appellant thereafter took central excise registration and again applied for refund vide letters dated 2.6.2016, 14.6.2016, 24.6.2016 and 2.8.2016. The jurisdictional Assistant Commissioner returned the claim vide letters dated 14.9.2016 and 10.10.2016 stating that there is no provision in the Central Excise Act/ Rules under which refund of Cenvat credit in terms of rule 5 of the Cenvat Rules is applicable to SEZ unit as Cenvat Rules are not applicable to SEZ units. The appellant followed up the matter by writing a letter dated 9.11.2016 requesting for a speaking order.

3. The appellant in his grounds of appeals has stated that since Cenvat credit is not available to SEZ unit, the burden of duty should be refunded under relevant provisions of Cenvat Rules; that there remains unutilized credit with the appellant which should be refunded under rule 5 of the Cenvat Rules. The appellant has quoted Notification No. G.S.R. 772(E) dated 5.8.2016 issued by the Ministry of Commerce and




Industry to justify that the Jurisdictional Assistant Commissioner is the right person to grant the refund.

3.1 The appellant has also raised some issues with regard to Jurisdictional Assistant Commissioner's letter dated 1.12.2016, wherein it is stated that refund cannot be granted when the unit is not registered with central excise department; the Notification No. G.S.R. 772(E) dated 5.8.2016 2016 issued by the Ministry of Commerce and Industry is in relation to sales made by SEZ unit into Domestic Tariff Area (DTA); benefit of said notification issued by the Ministry of Commerce and Industry cannot be considered as Ministry of Finance has not issued any notification based on said notification; Jurisdictional Assistant Commissioner is not the proper authority to grant the refund claimed by the appellant.

4. A personal hearing was held on 20.7.2017, wherein, Shri Bhupendra Shah, Partner of the appellant firm reiterated the grounds of appeal and stated that refund was denied because they are in SEZ.

5. I have carefully gone through the letters of Jurisdictional Assistant Commissioner mentioned in foregoing paras and grounds of appeal. The only issue to be decided is whether or not a unit in SEZ is entitled to a refund of unutilized Cenvat credit in terms of rule 5 of the Cenvat Rules.

6. Rule 5 of the Cenvat Rules provides for refund of Cenvat credit to a manufacturer who clears a final product or an intermediate product for export without payment of duty under bond or letter of undertaking or a service provider who provides an output service which is exported without payment of service tax. Special Economic Zones (SEZs) are specifically delineated duty free zones deemed to be foreign territory for the purposes of trade operations and duties and tariffs. As provided under SEZ Act, 2005, any goods procured from DTA by a unit in SEZ shall be exempt from taxes, duties and cesses and any goods removed to DTA shall be chargeable to duties of customs as leviable on such goods when imported into India. 

7. Thus, according to SEZ Act, supply of goods from DTA to a unit in SEZ constitutes export. This position has been unambiguously clarified in the CBEC's Circular No.1001/8/2015-CX.8 dated 28.4.2015. Since supply of goods from DTA to SEZ constitutes export, the Circular goes on to state DTA supplier supplying goods to the SEZ shall clear the goods either under bond or a duty paid goods under claim of rebate. For the same reason, any legit clearances to goods to an SEZ from DTA will be entitled to the benefit of rebate under rule 18 of the Central Excise Rules, 2002 and refund of accumulated Cenvat credit under rule 5 of the Cenvat Rules.

8. It is, therefore, very clear that any clearance of goods from DTA to SEZ is not supposed to suffer any duty burden. However, in a case where despite aforesaid provisions a unit in SEZ is unable to procure goods from a DTA unit without payment of duty, as is the case in the instant matter, an alternative should be available with the SEZ unit to take Cenvat credit of duty paid on procurement of goods and claim refund thereof in terms of rule 5 of the Cenvat Rules. The appellant has tried to do the same, however, the Jurisdictional Assistant Commissioner has denied the benefit of refund on the ground that Cenvat Rules are not applicable to SEZ units.

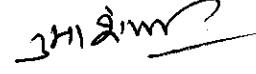
9. It, however, needs to be examined as to why a unit in SEZ should be barred from taking Cenvat credit of duty paid on goods procured when it is clear that supplies to SEZ unit are not supposed to suffer any duty of excise. Also, it is not proper for the jurisdictional Assistant Commissioner to reject and return the refund claim without passing a speaking order. The matter, therefore needs to be remanded back to the jurisdictional Assistant Commissioner to examine the whole issue in light of aforesaid circular dated 28.4.2015 and other related provisions of the law. Needless to mention, a speaking order after following the principles of natural justice should be passed in the matter.



9. The appeal is allowed by way of remand to the Jurisdictional Assistant Commissioner in above terms.

11. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.



(उमा शंकर)

केन्द्रीय कर आयुक्त (अपील्स)

Date: 27/07/2017

Attested



(Sanwamal Hudda)

Superintendent

Central Tax (Appeals)

Ahmedabad

By R.P.A.D.

To,

M/s Accumex Lab Technology,

Plot No.16, GIDC Electronic Park SEZ,

Sector-26, Gandhinagar

Copy to:

1. The Chief Commissioner of Central Tax, Ahmedabad Zone.

2. The Commissioner of Central Tax, Gandhinagar Commissionerate.

✓ 3. The Additional Commissioner, Central Tax (System), Ahmedabad South.

4. The Asstt./Deputy Commissioner, Central Tax, Division-Gandhinagar, Gandhinagar Commissionerate.

5. Guard File.

6. P.A.